>

Title: Need to pay attention to increase in swine flu cases in various parts of the country.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Shri Jagdambika Pal is being called every day.

SHRI JAGDAMBIKA PAL (DOMARIYAGANJ): I am being called to make my submission for '*Zero Hour*' after eight days. ...(*Interruptions*) मैं एक महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर इस सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं जिसके लिए केन्द्र सरकार स्वयं चिन्तित है। पिछले दिनों जब स्वाइन फ्लू का प्रकोप और उसके वायरस इस मुल्क में आए तो तमाम एयरपोर्ट्स, रेलवे स्टेशन्स पर यह व्यवस्था की गयी, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात को कहा कि स्वाइन फ्लू अब नियंत्रण में है। लेकिन पिछले दिनों से लगातार देश की राजधानी दिल्ली के बारे में समाचार पत्रों में छप रहा है कि कल स्वाइन फ्लू, एच1एन1 के 181 पॉजिटव मरीज पाए गए। उसके एक दिन पहले 246 मरीज और उससे भी एक दिन पहले 175 मरीज उन अस्पतालों में गए। अब तक 38 लोग अब तक मर चुके हैं। कामनवेल्थ गेम्स दिल्ली में होने वाले हैं। वर्ल्ड हैल्थ आर्गनाइजेशन ने भी स्वाइन फ्लू के सेकण्ड फेज, उसके वायरस की भयावहता की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। जो हमारा एनआईसीडी है, जो इस तरह के एपेडेमिक रोगों के बारे में केन्द्र सरकार के स्तर पर, केन्द्र सरकार के अधीन एक संस्थान है। उस राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान ने भी कहा है कि यह स्वाइन-फ्लू का दूसरा स्टेज है। जहां पर स्वाइन-फ्लू की फिर से गंभीरता बढ़ रही है, अभी माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी का बयान आया है कि ठंड बढ़ने से स्वाइन-फ्लू का प्रकोप और बढ़ेगा। अभी आपने राजस्थान में भी पढ़ा होगा कि स्वाइन-फ्लू से 80 लोग मर चुके हैं। इसी तरह से हर राज्य में हो रहा है। दिल्ली की भी जो हमारी स्वास्थ्य मंत्री माननीया किरण वालिया जी है और चाहे दिल्ली के इस विषय में जो इंचार्ज बनाए गये हैं, माननीय गुप्ता जी, उन्होंने भी कहा है कि इसकी स्क्रीनिंग के लिए जितने मरीज आ रहे हैं, लोगों को कठिनाई आ रही है और लोगों को प्राइवेट अस्पतालों में जाना पड़ रहा है, जहां टैस्ट के लिए 3000 रुपये देने पड़ रहे हैं। इसलिए इस टैस्ट के लिए, इस तरह की कुछ सरकारी व्यवस्था हो कि अगर गरीब लोगों को स्वाइन-फ्लू हो रहा है तो उनके टैस्ट की व्यवस्था, जो 8 सरकारी अस्पताल निर्धारित किये गये हैं, उनमें हो। जब तक उनके टैस्ट न हों, तब तक उनको टैमी-फ्लू का वैक्सीन उपलब्ध नहीं होगा। मैं समझता हूं कि यह कोई राजनैतिक विषय नहीं है, यह जनजीवन से जुड़ा हुआ प्रश्न है और यह सत्ता या प्रतिपक्ष का प्रश्न नहीं है। आगे इसका कोई कुप्रभाव न पड़े और किस तरह से इसके बढ़ते हुए वायरस की भयावहता को रोक सकते हैं, उस दिशा में प्रयास करना, निश्चित तौर से बहुत ही आवश्यक है। इस सदन के माध्यम से, इस विषय पर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

SHRI ARJUN RAM MEGHWAL : Sir, I would like to associate myself with what Shri Jagdambika Pal has said.

MR. CHAIRMAN : Shri Meghwal is allowed to associate himself with what the hon. Member has said.

श्री अर्जुन राम मेघवाल : सभापति महोदय, मैं माननीय जगदम्बिका पाल जी के भाषण से अपने को सम्बद्ध करता हूं।

MR. CHAIRMAN: I thank all the hon. Members. The House stands adjourned to meet again on Monday, December 14, 2009, at 11.00 a.m.

18.17 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, December 14, 2009/Agrahayana 23, 1931 (Saka).